संपादकीय

स्वच्छता की यात्रा

स्वच्छ भारत अभियान के पांच साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो अक्टूबर 2014 को इसकी शुरुआत की थी। स्थानीय प्रशासन के साथ-साथ आम लोगों को भी इससे जोड़ा गया और उन्हें सफाई को लेकर जागरूक किया गया। इन पांच वर्षों में साफ-सफाई का लक्ष्य शत-प्रतिशत भले न पूरा हुआ हो, मगर इसने जनमानस को झकझोरा जरूर है। स्वच्छता समाज के अजेंडे पर आ गई है। देश में स्वच्छता को लेकर बने माहौल का ही असर है कि आज गांवों में कई लड़कियों ने अपनी ससुराल में शौचालय बनाने पर जोर दिया और इसके लिए डटी रहीं। कुछ ने तो लड़के के यहां शौचालय न होने के कारण शादी करने से ही मना कर दिया।

गांवों में लोग अब खुद आगे आकर शौचालय बनवा रहे हैं। शहरों को स्वच्छता की रैंकिंग देने से प्रशासनिक अमले में एक स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना पैदा हुई है। अपने-अपने शहर को बेहतर बनाने के लिए कई जगहों पर अधिकारियों में असाधारण सक्रियता देखी गई, जिसका सकारात्मक नतीजा निकला। कुछ शहर शुरुआत में पीछे आंके गए लेकिन अगले ही वर्ष वहां माहौल बदल गया और वे रैंकिंग में ऊपर आ गए। लेकिन स्वच्छता का लक्ष्य पूरा होने में अब भी कई गंभीर बाधाएं हैं। दरअसल इसके लिए सोच और जीवन पद्धति में आमूल बदलाव लाना जरूरी है लेकिन सदियों से चली आ रही प्रणाली में परिवर्तन लाने में अभी देर लगेगी।

दूसरी तरफ इसके लिए जितना बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चरऔर अमला चाहिए, उसे बनाने में भी काफी वक्त लगेगा। सचाई यही है कि स्वच्छ भारत मिशन जितना नारों और विमर्श में है, उतना जमीन पर नहीं है। इसके तहत केंद्र सरकार ने एक करोड़ शौचालय बनाने की घोषणा की थी। उसका दावा है कि लक्ष्य का 96.25 फ़ीसदी काम पूरा हो चुका है। लेकिन इन शौचालयों का वाकई इस्तेमाल हो रहा है या नहीं, यह कहना कठिन है। जिन गांवों को खुले में शौच से मुक्त कर दिया गया है, वहां बड़े पैमाने पर लोग अब भी खुले में शौच करते हैं। शहरों की झुग्गी बस्तियों में जहां भी शौचालय बनवाए गए, उनकी ढंग से देखरेख नहीं हो पा रही है।

सफाई की मॉनिटरिंग, कूड़े की डंपिंग और उसकी प्रॉसेसिंग की कोई नई व्यवस्था अब भी ज्यादातर शहरों में नहीं हो पाई है। कूड़े को अक्सर सिर्फ एक कोने से दूसरे कोने में सरका दिया जा रहा है। डंप के लिए जमीनें नदारद हैं। कई निगमों के पास पर्याप्त फंड ही नहीं हैं कि वे आधुनिक उपकरण खरीद सकें। सफाई की नई चुनौतियों का सामना करने के लिए नगरपालिकाओं को अपनी आय के स्रोत बढ़ाने होंगे और अपने कामकाज को प्रफेशनल रूप देना होगा। असल में, इस मिशन के बारे में जितना सोचा गया है, उससे कहीं ज्यादा बड़ा सोचने की और उसी के अनुरूप निवेश बढ़ाने की जरूरत है। सफर जारी रहा तो यह सब होता जाएगा।

आरबीआई ने फिर घटाया रीपो रेट, और घटेगी ईएमआई

मुंबई (आरएनएस)। आरबीआई ने ब्याज दरें 0.25 फीसदी घटाने का ऐलान किया है। एमपीसी बैठक में रेपो रेट 0.25 फीसदी घटाकर 5.15 फीसदी करने का फैसला हुआ है। इस फैसले के बाद आम लोगों के लिए बैंक से कर्ज लेना सस्ता हो जाएगा। साथ ही, ईएमआई घटने की उम्मीद भी बढ़ जाएगी।

इसके साथ ही इस साल अब तक ब्याज दर में 1.35 फीसदी तक की कटौती हो चुकी है। रेपो रेट घटकर अब 5.15 फीसदी रह गई है। उम्मीद है कि बैंक दिवाली से पहले इसका

फायदा ग्राहकों तक पहुंचाएंगे।

रेपो रेट वह दर होती है जिस पर बैंक आरबीआई से लोन लेते हैं यानी यह बैंकों के लिए फंड की लागत होती है। यह लागत घटने पर बैंक अपने लोन की ब्याज दर भी कम करते हैं। इस साल जनवरी से अभी तक रिजर्व बैंक रेपो रेट में 1.35 फीसदी तक कटौती कर चुका है।रिजर्व बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति कमिटी (एमपीसी) इसके बारे में निर्णय लेती है।

इसके पहले रिजर्व बैंक ने अगस्त में मौद्रिक नीति समीक्षा की थी और तब भी ब्याज दरों में चौथाई फीसदी की कटौती की गई थी। इस बीच आर्थिक परिस्थितियों में काफी बदलाव आया है। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ घटकर 5 फीसदी रह गई है, जिस पर आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी अचरज किया था। इसके बाद सरकार ने चौंकाते हुए कॉरपोरेट टैक्स में कटौती कर दी थी, जिससे सरकार के खजाने में 1.45 लाख करोड़ रुपये की कमी होने का अनुमान है। इसके अलावा पीएमसी बैंक के संकट से वित्तीय प्रणाली की अनिश्चितता बढ़ गई।

इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ घटकर 5 फीसदी रह गई है और पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में जीडीपी ग्रोथ महज 6.8 फीसदी रही है। रिजर्व बैंक ने पहली तिमाही में 5.8 फीसदी ग्रोथ होने का अनुमान लगाया था, लेकिन यह पूरी तरह से गलत साबित हुआ।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (1500 मीटर) : प्रतियोगिता से बाहर हुए जिन्सन जॉनसन

दोहा। भारत के स्टार एथलीट जिन्सन जॉनसन गुरूवार रात यहां जारी विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के पुरुषों के 1500 मीटर दौड़ स्पर्धा से बाहर हो गए। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जॉनसन हीट-2 में 10वें पायदान पर रहे और प्रतियोगिता से बाहर हो गए। स्पर्धा में भाग ले रहे 43 प्रतिभागियों में वह 34वें नंबर पर रहे और सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाए।

केरल से ताल्लुक रखने वाले जॉनसन ने 3 मिनट 39:86 सेकेंड का समय निकला और उन्हें निराशा हाथ लगी। भारतीय खिलाड़ी हीट में पहले पायदान पर रहने वाले केन्या के टिमथी चूरूयोट से तीन सेकेंड पीछे रहे। जॉनसन ने पिछले साल इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था, लेकिन वह अपने प्रदर्शन को यहां नहीं दोहरा पाए। हालांकि, उन्होंने रेस की शुरुआत बेहतरीन की थी।

रेस में अधिक समय तक वह शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रहे, लेकिन आखिरी लैप में वह पिछड़ गए और अंत में 10वें पायदान पर रहे।

शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे मजबूत

मुंबई (आरएनएस)। रिजर्व बैंक के देश की नीतिगत दरों के बारे में घोषणा से पहले शुक्रवार को मुद्रा बाजार में रुपये की मजबूत शुरुआत हुई। डॉलर के मुकाबले रुपया नौ पैसे की मजबूती के साथ 70.78 पर खुला। मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक निवेशकों को भरोसा है कि रिजर्व बैंक नीतिगत दरों में और कटौती करेगा ताकि धीमी पड़ी अर्थव्यवस्था को रफ्तार दी जा सके। इसके चलते उनकी ओर से बाजार में लिवाली का रुख रहा। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक तीन दिन से जारी है। बीच में दो अक्टूबर को गांधी जयंती का अवकाश रहा।

चालू वित्त वर्ष में यह चौथी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा है। रिजर्व बैंक शुक्रवार को 11 बजबकर 45 मिनट पर मौद्रिक नीति की घोषणा करेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार पर रुपया 70.82 पर खुला और जल्द ही पिछले बंद स्तर के मुकाबले नौ पैसे चढ़कर 70.78 रुपये प्रति डॉलर पर चल रहा है।

पेट्रोल, डीजल के भाव लगातार दूसरे दिन घटे

नईदिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में लगातार दूसरे दिन कटौती की गई है, जिससे त्योहारी सीजन में आम उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में पेट्रोल शुक्रवार को 18 पैसे जबकि चेन्नई में 19 पैसे प्रति लीटर सस्ता हो गया। वहीं, डीजल के भाव दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में आठ पैसे जबकि चेन्नई में नौ पैसे प्रति लीटर घट गए हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम घटकर क्रमशः 74.33 रुपये, 76.96 रुपये, 79.93 रुपये और 77.21 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। चारों महानगरों में डीजल के दाम भी घटकर क्रमशः 67.35 रुपये, 69.71 रुपये, 70.61 रुपये और 71.15 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

देश की राजधानी दिल्ली में इन दो दिनों में पेट्रोल 28 पैसे प्रति लीटर सस्ता हो गया है जबकि डीजल के दाम में 14 पैसे प्रति लीटर की कमी आई है।

एंजेल ब्रोकिंग के डिप्टी

वाइस प्रेसिडेंट (एनर्जी व करेंसी रिसर्च) अनुज गुप्ता ने कहा कि त्योहारी सीजन में फल और सब्जियों से लेकर तमाम जरूरी वस्तुओं के दाम में इजाफा हुआ है, जिसमें पिछले दिनों तेल के दाम में हुई वृद्धि का भी योगदान है। ऐसे में तेल के दाम में अब कटौती शुरू होने से आम उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी।

पिंक साड़ी में लक्ष्मी के किरदार में दिखे अक्षय कुमार

इन दिनों देश भर के लोग नवरात्र के रंग में रंगे नजर आ रहे हैं। अक्षय कुमार ने इस खास मौके पर अपनी अगली फिल्म लक्ष्मी बम का फर्स्ट लुक शेयर किया है और दिखाया है कि इस फिल्म में वह कैसे दिखने वाले हैं।

सोशल मीडिया पर कुछ मिनट पहले ही अक्षय कुमार ने अपनी इस फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर किया है, जिसमें वह पिंक कलर की साड़ी, गले में ताबीज और सिर पर बड़ी सी सिन्दूर की बिन्दी लगाए नजर आ रहे हैं। अक्षय के बाल पीछे बंधे हैं और हाथों में नजर आ रही हैं पिंक चूड़ियां। इस तस्वीर में उनके चेहरे का

हावभाव किसी नाराजगी की कहानी साफ कह रहा है। अक्षय ने कहा है कि वह ऐसे कैरक्टर को निभाने जा रहे हैं, जिसे लेकर वह एक्साइटेड भी हैं और नर्वस भी। यूज़र्स को उनका यह लुक काफी पसंद आ रहा है और सबने उनकी तारीफ की है।

फैशन के साथ सेहत का भी ख्याल रखती हैं कोल्हापुरी चप्पलें

नवरात्रि सिर्फ पूजा पाठ और व्रत के लिए ही नहीं बल्कि पंडाल, गरबा नाइट्स और रंग बिरंगे कपड़ों के लिए भी जाना जाता है. नवरात्रि के दिनों में लड़कियों में फैशन ट्रेंड कुछ अलग ही होता है. बात चाहे कपड़ों की हो, हेयर स्टाइल की हो या फिर ज्वैलरी की, नवरात्रि के दौरान ट्रेडिशनल इंडियन आउटफिट्स काफी ट्रेंड में रहते हैं. लड़कियों का फैशन सेन्स भी सिर चढ़कर बोलता है. इन दिनों अनारकली सूट, लहंगा और सिल्क की साड़ियां पहनना ज्यादातर लड़कियों की पसंद होता है. कपड़ों के साथ-साथ अगर मैचिंग ज्वैलरी और फुटवियर हों, तो आपके लुक पर चार चांद लग जाते हैं.

फुटवियर की बात करें तो अलग-अलग कपड़ों के साथ आप अलग-अलग तरह की चप्पलों को ट्राई कर सकते हैं. त्योहारों के इस सीजन में इन दिनों कोल्हापुरी चप्पलें काफी ट्रेंड में हैं. कोल्हापुरी चप्पलें और मोजड़ियां ट्रेडिशनल ड्रेस के साथ काफी अच्छी लगती हैं. महिलाएं हो या पुरुष दोनों ही इसे पहनना बहुत पसंद करते हैं. अब इन कोल्हापुरी चप्पलों में काफी कुछ बदलाव भी आ रहा है. पहले इनमें सिर्फ फ्लैट सोल ही होता था लेकिन अब इनमें हील्स और हल्के फ्लिप-फ्लॉप्स स्टाइल भी आने लगे हैं.

इसके अलावा अब यह सिर्फ ब्राउन या चमड़े के वास्तविक रंगों में ही नहीं आते, अब इनकी सिलाई में भी प्रयोग किए जाने वाले धागों के रंगों में भी बदलाव आ गया है. चाहे लहंगा हो, साड़ी या सूट, कोल्हापुरी चप्पल आप किसी भी आउटफिट के साथ ट्राई कर सकते हैं.

आज का राशिफल

मेष:- आज आपको शासन द्वारा सम्मानित किए जाने की संभावना रहेगी। यदि आप किसी व्यक्ति, बैंक या संस्था से ऋण लेना चाहें तो कदापि न लें, आज किए गए ऋण का उतारने में कठिनाई आ सकती है।

वृषभ:- आज के दिन आप बहुत व्यस्त रहेंगे, ज्यादा भागदौड़ में सावधानी बरतें। आपकी निर्णय लेने की क्षमताओं का आपको आज लाभ मिल सकता है। आज रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी।

मिथुन:- आज आप फिलूज के खर्चे से बचें। यदि आप किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज कष्ट की वृद्धि हो सकती है। सामाजिक क्रिया कलापों में व्यवधान उपस्थित हो सकता है।

कर्क:- भाग्य की दृष्टि से आज का दिन उत्तम रहेगा। आपके परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

सिंह:- आज का दिन मिश्रित फलकारक है। मानसिक अशांति, खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दिन के उत्तरार्ध में राहत मिलेगी।

कन्या:- आज आपमें निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को सम्पन्न करने में सक्षम रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सुख सहयोग यथेष्ठ रूप से प्राप्त होगा।

तुला:- आज का दिन आपके लिए शुभ फलकारक है। आपके अधिकार व संपत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे।

वृश्चिक:- आज आपका मन अशांत और परेशान रहेगा। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं। सायंकाल तक आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

धनु:- आज आपकी विद्या, बुद्धि, ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अंदर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे।

मकर:- आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति के साथ साथ ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे।

कुंभ:- आज का दिन बुद्धि विवके से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। आपको अपने पारिवारिकजनों से विश्वासघात होने की संभावना है।

मीन:- आज नवम भाव में मित्र राशि का बृहस्पति होने के कारण बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा।

विशाखापट्टनम टेस्ट : एल्गर-डु प्लेसिस ने दक्षिण अफ्रीका की पारी को संभाला

विशाखापट्टनम। सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर और कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए यहां एसीए-वीसीए स्टेडियम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका की पारी को संभाल लिया है। दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे दिन भोजनकाल तक अपनी पहली पारी में 50 ओवरों में चार विकेट खोकर 153 रन बना

लिए हैं। एल्गर 76 और डु प्लेसिस 48 रन बनाकर क्रीज पर टिके हुए हैं। भारत ने अपनी पहली पारी सात विकेट के नुकसान पर 502 रनों पर घोषित कर दी थी। इस लिहाज से दक्षिण अफ्रीका अभी भी भारत से 349 रन पीछे है।

मैच के तीसरे दिन भी मेहमान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उप-कप्तान टेम्बा बावुमा 18 के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गए। बावुमा को अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने अपने जाल में फंसाया और दक्षिण अफ्रीका को 63 के कुल योग पर चौथा झटका दिया।

इसेक बाद हालांकि, मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने धैर्य दिखाया और टीम की स्थिति थोड़ी बेहतर हुई। एल्गर और डु प्लेसिस के बीच अबतक 90 रनों की साझेदारी हो चुकी है।

भारत के लिए रविचंद्रन अश्विन दो जबकि रवींद्र जडेजा और ईशांत एक-एक विकेट ले चुके हैं।

दिशा पटानी ने फिल्में चुनने को लेकर बताये राज

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी ने फिल्मों के चयन किये जाने के राज बताये हैं। दिशा इन दिनों न सिर्फ बॉलीवुड फिल्मों और सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं, बल्कि उन्होंने अपना यूट्यूब चैनल भी शुरू किया है। यूट्यूब पर उनके वीडियो जमकर हिट हो रहे हैं, और फैन्स को पसंद आ रहे हैं। दिशा ने बताया है कि वह किस तरह अपनी फिल्में और कैरेक्टर चुनती हैं।

नवरात्र में बनाएं गाजर टमाटर वाली ये सामक की खिचड़ी

नवरात्र में समा के चावल की खिचड़ी कई जगह खाई जाती है। समा के चावल व्रत में इसलिए खाए जाते हैं क्योंकि ये चावल कोई अनाज नहीं होते हैं। लेकिन अगर पोषण की बात करें तो ये अनाज की ही तरह पोषण और एनर्जी देते हैं। यहां पढ़ें बनाने की रेसिपी...

सामग्री

समा के चावल 1 कप बारीक कटी, मिर्च- 1 उबला और कटा आलू- 1, बारीक कटा गाजर- 1 बारीक कटा टमाटर- 1 तेज पत्ता- 1 दालचीनी- 1, टुकड़ा नीबू का रस- 1 चम्मच, बारीक कटी धनिया पत्ती- 2 चम्मच साबुत काली मिर्च- 1 चम्मच, सेंधा नमक- स्वादानुसार

विधि

समा के चावलों को तवे पर सुनहरा होने तक सूखा भून लें। गैस बंद करें और चावल को ठंडा होने दें। प्रेशर कुकर में एक चम्मच तेल गर्म करें और उसमें हरी मिर्च, तेज पत्ता, दालचीनी और काली मिर्च डालें। काली मिर्च को कुकर में डालने से पहले दरदरा कर लें। कुछ सेकेंड बाद कुकर में टमाटर, गाजर और आलू डालें। कुछ मिनट तक मध्यम आंच पर पकाएं। अब कुकर में समा के चावल, दो कप पानी और स्वादानुसार सेंधा नमक डालें। एक उबाल आने के बाद कुकर बंद करें और दो सीटी लगाएं। गैस बंद करें। कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। खिचड़ी को एक बड़े बर्तन में निकालें। नीबू का रस और धनिया पत्ती डालकर मिलाएं और गर्मागर्म पेश करें।

शब्द सामर्थ्य- 06

बाएं से दाएं
1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे
1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

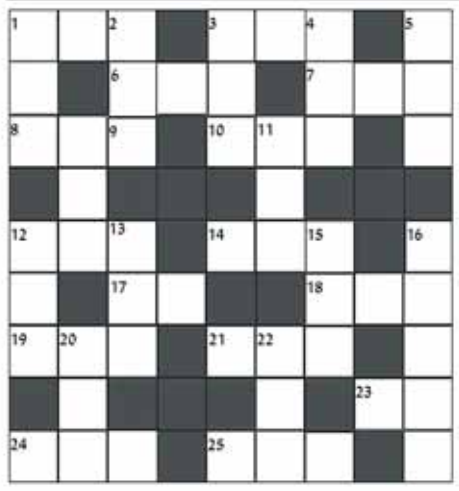

शब्द सामर्थ्य क्रमांक05 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

सू-दोकू- 06

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.05 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6